www.esamaad.com

समाद

मैथिली भाषा मे पहिल ई-पेपर

पटना, 20 जुलाई, 2010 • अंक-43 • वर्ष-3

मानसूनक दस्तक दैत खेत भेल हरियर

विधानसभा मे हंगामा

सिद्दीकी मुख्यमंत्री पद क दावेदार हेताह !

पटना। राजद-लोजपा गठबंधन क दिस स बिहार मे नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी आब मुख्यमंत्री पद क दावेदार नहि हेतीह। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद एकर साफसंकेत देलथि अछि। हालांकि एखन इ साफनहि भेल अछि जे एहि स्थिति मे मुख्यमंत्री पद क लेल कोन नाम तय होएत, मुदा मानल जा रहल अछि जे राजद क बिहार प्रदेश अध्यक्ष अब्दुलबारी सिद्दीकी मुख्यमंत्री पद क दावेदार भ सकैत छथि। जानकारक इ सेहो कहब अछि जे चुनावक बाद अगर कांग्रेस संग सरकार बनेबा क परिस्थिति बनैत अछि त लालू आ पासवान मुख्यमंत्री पद कांग्रेस कए द अपना लेल केंद्र में मंत्री पद ल सकैत छथि। एहन मे राजद आ लोजपा स उपमुख्यमंत्री बनि सकैत अछि। मुदा एहि समीकरण कए तत्काल नुका कए रखबाक योजना अछि। लालू क अनुसार राबड़ी देवी आब सत्ता सम्हारबा लेल तैयार नहि छथि। ओ कहैत छथि जे परिस्थितिवश ओ मुख्यमंत्री बनल छलीह। लालू कहला जे ओ राबड़ी कए बुझेबा क बहुत कोशिश केलथि एतबा धरि कहलथि जे लोग कए आदत भ चुकल अछि लालू-राबड़ी जिंदाबाद कहबाक। एहन मे आखिर हम अपना संग केकर नाम जाडि। मुदा राबड़ी सत्ता सम्हारबा लेल तैयार नहि भेलथि अछि। दरअसल लालू प्रसाद क आदत अछि जे ओ गंभीर स गंभीर गप मजाक मे कहि दैत छथि। एहि बेर राजद लोजपा क संग विधानसभा चुनाव मे अपन पूरा ताकत झोंकबा लेल तैयार अछि। लोजपा स सीट क तालमेल लेल राजद दिस स प्रदेश अध्यक्ष अब्दुलबारी सिद्दीकी आ लोजपा क प्रदेश अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस क बीच वार्ता जारी अछि। दूनू दल क नेता एकमत छथि जे महज सीट गिनेबा लेल चुनाव नहि लड़ल जाए। सूत्र क अनुसार लोजपा क दिस स राजद कए 150 आ अपना लेल 93 सीट तय कैल गेल अछिख् मुदा राजद तालमेल मे करीब 60 सीट लोजपा कए देबा लेल तैया अछि।

खजाना स 11,412 करोड़ क निकासी क नहि भेटल बिल

सीबीआई जांच क आदेश

पटना। हाईकोर्ट बिहार क सरकारी खज़ाना स 11,412 करोड़ क निकासी संबंध मे कथित वित्तीय गड़बड़ी क सीबीआई जांच क आदेश देलक अछि। बिहार क महालेखाकार अपन रिपोर्ट मे कहलक अछि जे सरकारी खज़ाना स निकालल गेल एहि राशि क खर्च क ज़रुरी विवरण नहि हेबा स पैघ वित्तीय अनियमितता क संदेह होइत अछि। एहि रिपोर्ट क आधार पर दायर एकटा जनहित याचिका पर दू दिन चलल सुनवाई क बाद हाईकोर्ट क एकटा खंडपीठ एहि मामला कए केंद्रीय जांच ब्यूरो यानी सीबीआई कए सौंपबाक आदेश देलक अछि। याचिकाकर्ता एहि गड़बड़ी क लेल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी सहित 13 मंत्री आ मुख्यसचिव सहित कई अधिकारी कए मिलाकए कुल 47 गोटे क ख़िलाफ़आपराधिक मामला दर्ज करिकए हुनका पर मुक़दमा चलेबाक अनुरोध केने छल।

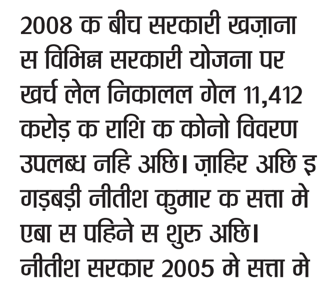

महालेखाकार अपन रिपोर्ट मे कहलथि अछि जे वर्ष 2002 स 2008 क बीच सरकारी खज़ाना स विभिन्न सरकारी योजना पर खर्च लेल निकालल गेल 11,412 करोड़ क राशि क कोनो विवरण उपलब्ध नहि अछि। ज़ाहिर अछि इ गड़बड़ी नीतीश कुमार क सत्ता मे एबा स पहिने स शुरु अछि। नीतीश सरकार 2005 मे सत्ता मे आईल छल।

वकील अरविंद कुमार शर्मा क जनहित याचिका क अनुसार महालेखाकार अपन रिपोर्ट मे कहलथि अछि जे वर्ष 2002 स 2008 क बीच सरकारी खज़ाना स विभिन्न सरकारी योजना पर खर्च लेल निकालल गेल 11,412 करोड़ क राशि क कोनो विवरण उपलब्ध नहि अछि। ज़ाहिर अछि इ गड़बड़ी नीतीश कुमार क सत्ता मे एबा स पहिने स शुरु अछि। नीतीश सरकार 2005 मे सत्ता मे आईल छल। दरअसल इ मामला सरकारी खज़ाना स निकालल गेल आकस्मिक राशि आ ओकर खर्च क विवरण स जुड़ल अछि।

नियमानुसार जखन सरकार खज़ाना स कोनो योजना लेल राशि निकालल जाइत अछि त एकटा विवरण देल जाइत अछि जेकरा अग्रिम आकस्मिक विपत्र यानि एसी बिल कहल जाइत अछि। जखन इ राशि खर्च करि लेल जाइत अछि तखन संबंधित अधिकारी दिस स एकटा पूरा विवरण जमा कराउल जाइत अछि जेकरा विस्तृत आकस्मिक विपत्र यानि डीसी बिल कहल जाइत अछि। जानकार क कहब अछि जे डीसी बिल स प्रमाणित होइत अछि जे राशि सही मद मे खर्च कैल गेल अछि बा नहि। इ बिल छोट प्रशासनिक अधिकारी स होइत मुख्य सचिव आ मंत्री सहित मुख्यमंत्री तक फ़ाइल क ज़रिए पहुंचैत अछि।

डीएम कए 24 तक ब्योरा देबाक निर्देश

पटना । पटना उच्च न्यायालय द्वारा 11 हजार 412 करोड़ क वित्तीय अनियमितता क सीबीआई स जांच क आदेश राज्य सरकार क नींद उड़ा देलक अछि। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एहि मामला कए गंभीरता स लैत सबटा जिलाधिकारी कए साफशब्द मे निर्देष देलथि अछि जे कोनो हालत मे 24 जुलाई तक सबटा खर्चक ब्योरा पटना पहुंच जेबाक चाही, ताकि समय पर महालेखाकार कए समर्पित कैल जा सकए, नहि त ओ कार्रवाई होएत जेकर आशा नहि कैल जा सकैत अछि। मुख्यमंत्रीक एहि धमकी भरल निर्देश स पूर्व शनिदिन बाढ़ आ सूखा क मुतल्लिक जिलाधिकारी आ प्रमंडलीय आयुक्त क संग भेल वीडियो कान्फ्रेंसिंग मे सेहो इ महत्वपूर्ण एजेंडा छल। मुख्य सचिव एके मुखर्जी जिलाधिकारी कए 24 जुलाई तक अग्रिम (एसी बिल) आओर ओकर खर्च क विस्तृत ब्योरा प्रस्तुत करबाक निर्देश देने छलाह। मुख्य सचिव क फ़रमान क किछु कालक बाद वित्त मंत्री सह उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी सेहो मुख्य सचिवालय पहुंचलाह आ वित्त विभाग क प्रधान सचिव भानु प्रताप शर्मा आ अन्य अधिकारी संग एक घंटा तक बैठक केलथि। हालांकि गपक विस्तृत ब्योरा हासिल नहि भ सकल अछि। एहि कात आपदा प्रबंधन विभाग क प्रधान सचिव व्यास जी कहला जे हुनकर विभाग क एसी बिल स संबंधित 650 करोड़ टकाक मामला अछि। उल्लेखनीय अछि जे एजी क रिपोर्ट पर हाईकोर्ट 11412 करोड़ क वित्तीय अनियमितता मामला क जांच सीबीआई स करेबाक फैसला देलक अछि। रिपोर्ट क अनुसार इ अनियमितताा 2002 स 2008 तक कोषागार स निकालल गेल राशिक ब्योरा एखनधरि नहि देल गेल अछि।

डॉ उषाकर झा छात्रवृति प्राप्त केनिहार लक्ष्मेश्वर अकेदमी, सरिसव पाहीक छात्र-छात्रा

कोचिंग क नीक नतीजा आएल : शाहिद

पटना । अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री शाहिद अली खां क नजर मे अल्पसंख्यक कल्याण क लेल चलाउल जा रहल योजना सुपर हिट रहल अछि। सूबा क अल्पसंख्यक, विशेषकर मुसलमान एहि योजना क काफी उत्साह स स्वागत केलथि अछि। प्रधान गृह सचिव सह अल्पसंख्यक कल्याण विभाग क प्रधान सचिव आमिर सुबहानी अगिला मास स अल्पसंख्यक कए शिक्षा ऋण उपलब्ध करेबाक घोषणा केलथि अछि। खां कहलथि जे सिपाही भर्ती क लिखित परीक्षा लेल मार्च मे अल्पसंख्यक अभ्यर्थी कए विशेष कोचिंग कराउल गेल छल। नतीजा सामने अछि जे 12,737 पद क लेल भेल परीक्षा मे 845 अल्पसंख्यक अभ्यर्थी लिखित परीक्षा पास केलथि अछि। एहि मे स 150 क शारीरिक परीक्षा क लेल आब कोचिंग देल जा रहल अछि। कोचिंग कार्यक्रम कए मौलाना मजहरूल हक अरबी फारसी विश्वविद्यालय क सहयोग स चलाउल जा रहल अछि। मंत्री कहला जे 2007 मे प्रथम श्रेणी मे मैट्रिक पास करनिहार अल्पसंख्यक छात्र-छात्रा कए 10 हजार टका क प्रोत्साहन राशि देल जा रहल अछि।

फतुहा में इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स कंपनी लिमिटेड क नव इकाई क उद्घाटन

फतुहा । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार फतुहा मे इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स कंपनी लिमिटेड क नव इकाई क उद्घाटन केलथि। मुख्यमंत्री एहि मौका पर कहल जे एहि स बेसी प्रसन्नता क आओर कौन गप भ सकैत अछि जे ढाई साल पहिने फतुहा औद्योगिक क्षेत्र परिसर मे हम एहि फैक्ट्री क भूमिपूजन केने छलहू आ आइ एकर उद्घाटन क रहल छी। ओ कहला जे बिहार मे उद्योग लेल बिजली क आवश्यकता बढल जा रहल अछि आ ताप बिजली क क्षेत्र मे लोक निवेश करै चाहैत छथिख् मुदा केंद्र कोल लिंकेज देबाक प्रस्ताव नहि मानि रहल अछि। केंद्र सरकार कोल लिंकेज क जगह कोल ब्लाक क गप कहि रहल अछि। इ दूनू अलग-अलग गप अछि। खनन करैब केंद्र क काज छी। कोकिंग कोल इस्पात बनेबा मे अबैत अछि ओहि स बिजली क उत्पादन नहि होइत अछि। मुख्यमंत्री सोनालिका समूह क प्रशंसा करैत आश्वासन देलथि जे राज्य सरकार कंपनी कए पूरा सहयोग देत। एहि मौका पर उद्योग मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव कहला जे एहि तरह क इकाई स बेरोजगार कए रोजगार भेटत।

नहि बढ़त होल्डिंग टैक्स

पटना। गृह स्वामी लेल इ राहत देईवाला समाद अछि। राज्य सरकार तत्काल होल्डिंग टैक्स बढ़ेबा स इनकार करि देलक अछि। नगर विकास विभाग क अधिकारी आ राज्य क नगर निकाय क मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी क संग बैठक मे उप मुख्यमंत्री सह नगर विकास विभाग क प्रभारी मंत्री सुशील कुमार मोदी स्पष्ट करि देलथि जे राज्य सरकार कोनो नगर निकाय क्षेत्र मे वर्तमान मे होल्डिंग टैक्स बढ़ेबाक अनुमति नहि देत। ओ कहला जे किछु नगर निकाय होल्डिंग टैक्स बढ़ेबा लेल राज्य सरकार स अनुमति मंगलक अछि। राज्य सरकार सम्यक विचार क बाद निर्णय करत मुदा तत्काल टैक्स बढ़ेबाक अनुमति नहि देत। ओ कहला जे सरकारी निर्देश क उल्लंघन करैत नगर निकाय मे एखनो तरकारी वाला, खोमचा वाला, ठेला वाला आदि क संग बंदोबस्ती क कार्रवाई हेबाक शिकायत भेटि रहल अछि।

छहटा आओर आईटीआई कए मंजूरी

पटना। बिहार मंत्रिमंडल बेतिया, अरवल, लखीसराय, समस्तीपुर, खगड़िया, भोजपुर मे आईटीआई खोलबाक प्रस्ताव कए मंजूरी द देलक अछि। एकर संग-संग विश्वविद्यालय क सेवानिवृत कर्मी क पेंशन बकाया आ अन्य लाभ आओर कार्यरत कर्मचारी क बकाया भुगतान लेल राज्य सरकार 299 करोड़ टका देलक अछि। संगहि शौर्य पुरस्कार विजेता आ मरणोपरांत हुनकर आश्रित कए देल जा रहल सम्मान राशि मे वृद्धि कैल गेल अछि। बैठक के बाद संयुक्त सचिव मंत्रिमंडल वीरेन्द्र कुमार सिंह कहला जे बैठक मे चालू वित्तीय वर्ष में सेमरा बाजार बगहा, अरवल, लखीसराय, समस्तीपुर, खगड़िया आ भोजपुर के बिहियां मे नव औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान स्थापित करबाक निर्णय लेल गेल अछि। नामांकन सेहो एहि साल प्रारंभ भ जाएत। एकर स्थापना क लेल 10.52 करोड़ टका क स्वीकृति देल गेल अछि। संगहि रांची तंत्रिका मनोचिकित्सा आ सम्बद्ध विज्ञान संस्थान कांके कए चालू वर्ष मे 2.93 करोड़ टका क स्वीकृति देल गेल अछि। सिंह कहला जे राज्य सरकार क मानव संसाधन विकास विभाग स स्थायी मान्यता प्राप्त विद्यालय आ स्थापना क अनुमति क प्रस्वीकृत विद्यालय मे पढ़ैवाला अनुसूचित जाति आ जनजाति क छात्र आ छात्रा कए चालू वर्ष मे छात्रवृत्ति मद मे 133 करोड़ टकाक मंजूरी देल गेल अछि। सिंह कहला जे रक्षा मंत्रालय क अनुशंसा क आलोक मे सरकार नकद पुरस्कार क राशि मे वृद्धि करि एकमुश्त भुगतान क निर्णय केलक अछि। इ निर्णय प्रदेश क ओहन सशस्त्र सेना क शौर्य पुरस्कार विजेता आ मरणोपरांत हुनकर निकटतम आश्रित क लेल प्रभावी होएत जिनका पहिल जनवरी 2010 या ओकर बाद पुरस्कृत कैल गेल अछि। पुरस्कार राशि परमवीर चक्र क लेल 10 लाख, अशोक चक्र क लेल 8 लाख, सर्वोत्तम युद्ध सेवा मेडल क लेल 7 लाख, महावीर चक्र क लेल 5 लाख, कीर्ति चक्र क लेल 4 लाख, उत्तम युद्ध सेवा मेडल क लेल 3 लाख, वीर चक्र क लेल 2 लाख, शौर्य चक्र क लेल 1.50 लाख, सेना-नौसेना आ वायुसेना मेडल क लेल 75 हजार, मेंशन इन डिस्पैच क लेल 50 हजार, परम विशिष्ट सेवा मेडल क लेल 1.50 लाख, अति विशिष्ट सेवा मेडल क लेल 1 लाख आ विशिष्ट सेवा मेडल क लेल 50 हजार टका निर्धारित कैल गेल अछि।

बिहार मंत्रिमंडल बेतिया, अरवल, लखीसराय, समस्तीपुर, खगड़िया, भोजपुर मे आईटीआई खोलबाक प्रस्ताव कए मंजूरी द देलक अछि।

घुमंतू रेस्तरां तैयार, मुख्यमंत्री करताह उद्घाटन

पटना। देश क पांचम आ ईस्टर्न इंडिया क पहिल सबस बेसी क्षमता वाला घुमंतू रेस्तरां (बिस्कोमान टावर) क उद्घाटन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अगस्तक पहिल सप्ताह मे करताह। इ जानकारी सहकारिता विभाग क प्रधान सचिव अमिताभ वर्मा घुमंतू रेस्तरां क निरीक्षण क क्रम मे देलथि। रेस्टोरेंट 18म तल्ला पर अछि। एकर ऊंचाई करीब 210 फीट अछि। एहि रेस्टरां स गांधी मैदान एकटा छोट सन पार्क नजरि अबैज अछि। ओ रेस्तरां क सजावट कए सेहो सराहलाह। ओ एकरा लेल बिस्कोमान अध्यक्ष कए धन्यवाद सेहो देलाह। वर्मा कहला जे घुमंतू रेस्तरां मे 140 गोटेक बैसबाक व्यवस्था कैल गेल अछि। एकर खासियत इ अछि जे इ एक एचपी क मोटर पर चलि रहल अछि। जाहि स इ 60 मिनट मे एक चक्कर पूरा करैत अछि। गंगा क दृश्य सेहो एहि ठाम स देखल जा सकैत अछि। वर्मा कहलथि जे मुंबई मे दू आ जयपुर आ अहमदाबाद मे एक एकटा एहने घुमंतू रेस्टोरेंट अछि। प्रधान सचिव 17म तल पर 60 गोट लेल एक संग बैसबा योग्य बार क निरीक्षण सेहो केलथि। ओ बार लेल लाइसेंस भेटबाक मे आबि रहल व्यावधान कए दूर करबाक भरोस दियौलथि। रसोई 17म तल पर अछि। एहि ठाम स तैयार सामाग्री लिफ्ट स घुमंतू रेस्तरां मे स्वचालित प्रणाली द्वारा जाएत। 16म तल पर एकटा सभागार आ खुलल गार्डेन बनाउल गेल अछि। जतय 300 गोटे लेल कार्यक्रम आयोजित कैल जा सकैत अछि। एकरा विवाह अथवा पार्टी जइसन आयोजन क लेल बुक कैल जा सकैत अछि। निरीक्षण क क्रम मे प्रधानसचिव बिकोमान क कार्य क खूब तरीफकेलथि। 1988 मे बिस्कोमान प्रबंध समिति भंग भेलाक बाद एकर स्थिति दयनीय भ गेल छल। एहि अवसर पर बिस्कोमान अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह कहला जे घुमंतू रेस्तरां बिहार कए सौगात क रूप मे भेट रहल अछि। ओ कहला जे शाकाहारी, मांसाहारी भोजन, नाश्ता, काफी सहित विभिन्न तरह क व्यंजन एहि ठाम उचित दाम पर भेटत। दाम एहन राहल गेल अछि जे आम आदमी सेहो घुमंतू रेस्तरां मे आबि कए नास्ता आ भोजन करि सकत।

आरा आ छपरा क बीच सबस महग पुल क शिलान्यास

छपरा/सीतामढ़ी । छपरा-आरा पुल क शिलान्यास करैत मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कहला जे हम प्रदेश मे विश्वास क सेतु बनेलहुं अछि जाहि पर विकास आ अमन क गाड़ी दौड़ रहल अछि। सारण क जिला मुख्यालय छपरा क राजेन्द्र स्टेडियम मे आयोजित पुल क शिलान्यास समारोह मे मुख्यमंत्री कहला जे आरा-छपरा पुल एखन धरि बनल सब पुल मे सबस बेसी लागत क स बनत। ओ कहला जे भोजपुरी क्षेत्र क भांति मिथिलांचल कए सेहो जोड़बा लेल कोसी नदी पर पुल क निर्माण भ हल अछि। उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी कहला जे छपरा-आरा पुल स भोजपुरी क्षेत्र क लोक कए बहुत पुरान सपना साकार भ जाएत। दोसर दिस सीतामढ़ी मे बागमती नदी क ढ़ेंग घाट पर चिरप्रतीक्षित शहीद वंशी चाचा पुल क उद्घाटन करैत मुख्यमंत्री एकरा जनता कए समर्पित केलथि। इ पुल 59 करोड़ क लागत स बनल अछि। मुख्यमंत्री कहला जे बैरगनिया क लोकक 63 वर्ष पुरान मांग आ आजादी क बाद क सबस पैध सपना कए हकीकत बनैत देखि हुनका खुशी भ रहल अछि।

बदलल रस्म ओ रिवाज हरा गेल डोली-कहार

मधुबनी। चलो रे डोली उठाओ कहार..गीत आब केवल ब्याह दिन बैंड पर बजैत अछि। आधुनिक युग मे मिथिला मे आएल सांस्कृतिक पतनक कारण आब कोनो दुहारि स डोली नहि उठैत अछि। धनीक स धनीक आ गरीब स गरीब लोक अपन बेटी-पुतहु कए मोटर स ल कए रिक्शा तक पर विदा करैत अछि। नवतुरिया त आब सिनेमा मे छोड़ि डोली कतहू नहि देखैत अछि। मिथिलाक एक-दू टा गाम छोड़ि कए कतहू डोली अर्थात खरखरिया देखबा मे नहि अछि। जाहि गाम मे अछि ओहि ठाम सेहो ओ जर्जर अवस्था मे अछि। दरअसल आब विवाह मे चलि रहल रस्म ओ रिवाज मे भारी बदलाव आबि रहल अछि। एकर पाछु बिहार स पलायन सेहो महत्वपूर्ण कारण मानल जा रहल अछि। जाहि प्रदेश स लोक बिवाह करबा लेल बिहार अबैत अछि ओकर संस्कृति एहि ठामक संस्कृति मे मिला दैत अछि। गाम हुए या शहर अपन संस्कृति कए त्यागि शान बढ़ेबा लेल नव-नव तरीके अपना रहल मिथिला समाज अपन जड़ि स कटल जा रहल अछि। गप मात्र डोली क नहि अछि आन रिवाज सेहो खत्म भ रहल अछि। आदिकाल स चलल आबि रहल रिवाज कए मानि हम सब दुनिया मे अपन अलग स्थान बनेने छी। एहि पर आइ सेहो शोध जारी अछि जे आखिर मिथिला मे विवाह क सफलता क राज की अछि। मुदा इ हाल रहल त जल्दहि हम सब ओहि भीड़ मे शामिल भ जाएब, जतय राति मे विवाह आ भोर मे तलाक भ जाइत अछि। हम लग्न के छोड़ि लगन मे विवाह करै लगलहुं, जखन कि मिथिलाक देखा-देखी अमिताभ बपन बेटाक विवाह लग्न देखी कए केलथि। तहिना मिथिला संग पूरा भारत मे डोली आ पालकी जेकरा मिथिला मे हम सब खरखरिया आ सबारी कहैत छी, क समाज मे एकटा अलग महत्व अछि। राजा हो या रंक ब्याह क समय डोली आ पालकी मे बैसबाक रिवाज रहल अछि। हाईटेक युग मे लाख टका नाच गान पर खर्च करबा मे ककरो दिक्कत नहि अछि, मुदा कहार कए हजार टका देबा मे बटुआ खाली भ जाइत अछि। एकर कारण आइ डोली-पालकी आ कहार कहानी बनि कए रहि गेल अछि।

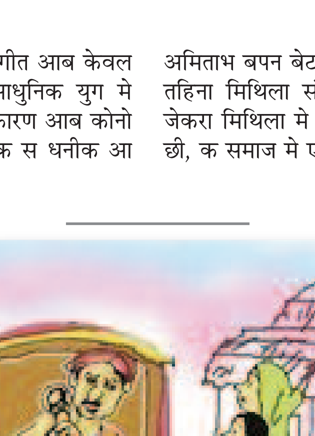

पहिने जतय ब्याह क बाद कनिया आ वर कए ल जेबा लेल दुहारि पर चारि टा कहार लाठी लकए ठार रहैत छल, आइ खटारा गाड़ी मे ड्राइवर बैसल नजरि अबैत अछि। कहबा लेल इ हमर आधुनिक सोच आ आर्थिक उत्थान कए देखा रहल अछि, मुदा असल मे इ हमर पिछड़ापन आ दिमागी तौर पर अंगाली कए देखा रहल अछि। राजस्थान मे जेकर दुहारि पर करोड़ टकाक गाड़ी लागल अछि ओ जखन विवाह लेल जाइत अछि त लाख टका खर्च करि घोड़ि मंगबैत अछि, दू डेग लेल लाख टका खर्च करैत अछि, मुदा करोड़ टकाक गाड़ी घोड़िक स्थान नहि ल पेलक, मुदा मिथिला मे हजार टका कहार कए नहि द खटारा गाड़ी पर चढ़बा स औकात बढ़ि जाइत अछि। आइ स्थिति एहन अछि जे टका खर्च करबाक बावजूद कहार नहि भेट रहल अछि। किया कि जखन डोली या पालकी ककरो दरबाजा पर नहि अछि, त कहार कतय भेटत।

आई पटना स ल कए अमेरिका तक बिहार क बदलाव चर्चा क विषय बनल अछि। पिछला लगभग पांच साल स नीतीश कुमार राज्यक मुखिया छथि। एकटा वर्ग एहि लेल हुनका श्रेय द रहल अछि। दोसर वर्ग सडक, बिजली आ उद्योग क हालत देखी विकासक गति मापबाक प्रयास करि रहल अछि। मुदा बिहार मे जे चुपचाप क्रांति भ रहल अछि ओकरा दिस ककरो ध्यान नहि जा रहल अछि। सच मानू त बिहार कए बदलिनिहार ओकर गाम आ शहर क लोक अछि जे बिना कोनो अखबार मे विज्ञापन निकाली अपन काज स अपन आ राज्यक सामाजिक आर्थिक आ राजनीतिक विकास कए रहल अछि। किया कि बिहारक मे जे बदलाव भ रहल अछि ओ कोनो एकटा नेता या एकटा तार्किक सिद्धांत क बल पर नहि भ सकैत अछि। समाद एहने किछु लोकक संबंध मे समय समय पर जानकारी दैत रहल अछि। एहि नव कडी मे प्रस्तुत अछि समदिया क तीन गोट खास रपट जाहि मे एहन बिहार नवनिर्माता क बारे मे बताउल गेल अछि जे अपनो नहि बुझि पाबि रहल अछि जे ओ राज्यक विकास लेल भ रहल खामोश क्रांतिक अग्रदूत छथि।

मुखिया जी करि देलथि कमाल

झंझारपुर (मधुबनी)। इतिहासक राजा जेका आमतौर पर मुखिया क इमेज नीक नहि अछि, मुदा एकटा मुखिया एहनो छथि जे लोकक आंखिक नूर बनल छथि। सियासी कारनामा लेल नहि बल्कि उल्लेखनीय सेवा क कारण। जी हां, इ मुख्यिा छथि नरुआर निवासी सुजीत कुमार मिश्र। मिश्र झंझारपुर, फुलपरास आ निर्मली अनुमंडल क लाइफलाइन कमला-बलान रेल सह सड़क पुल क जीर्णोद्धार करवा कए समाज क सामने अद्भुत उदाहरण पेश केलथि अछि। ज्ञात हुए जे इ रेल सह सड़क पुल जर्जर भ गेल छल। रेलवे लाइन क टूटल पटरी मे फंसिकए रोज किछु न किछु हादसा होइत छल। नरूआर आ झंझारपुर बीच एहि पुल बंद भेला स झंझारपुर शेष बिहार स कटि जाइत अछि। दुर्भाग्य रहल जे जगन्नाथ मिश्र एहि क्षेत्र स विधायक होइत रहलाह आ तीन बेर मुख्यमंत्री भेलाह, मुदा एहि पुलक विकल्प त छोडू एकर मरम्मत तक करेबाक प्रयास नहि केलथि, रेल मंत्रालयक रहमोकरम पर एहि पुल स बस गाडी चलैत रहल। मुदा एकर मरम्मत नहि हेबा स इ खतरनाक बनि गेल छल। मुखिया बनलाक बाद सुजीत कुमार मिश्र एकर मरम्मत लेल रेलवे अधिकारी स कई बेर पत्राचार केलथि, मुदा कोनो कार्रवाई नहि भेल। अंत मे मिश्र रेलवे अधिकारी स पुल क ऊपरी हिस्सा क जीर्णोद्धार करेबा लेल अभियंता क टीम आ कुशल कारीगर देबाक मांग केलथि। एकर बाद 9 जून कए अभियंता क टीम पहुंचल आ पटरी कए ठीक करबा मे जुटल । फेर मुखिया जी अपन टका खर्च करि सड़क क कालीकरण करा देलथि अछि। आब पुल पर वाहन सरपट दौड़ैत अछि। कमालक गप इ अछि जे इ पुल मुखिया जी क पंचायत मे नहि अबैत अछि। मुखिया क सामाजिक सरोकार स जुडल काज कए सर्वत्र प्रशंसा भ रहल अछि। मिश्र कहैत छथि इ आर्थिक रूप स संपन्न लोक लेल मैसेज अछि, जे अगर बिहार कए बदलबाक अछि त सरकारक भरोसे नहि रहबाक चाही।

बाढ़ स दू-दू हाथ करैत वैदेही

खगड़िया । बाढ़ रूपी आपदा स आब नहि होएत जानमाल क अपूर्णीय क्षति। कारण इ जे वैदेही अर्थात खगड़िया क बहू-बेटी एकरा स दू-दू हाथ करबा लेल तैयार भ रहल छथि। एहि ठामक तीसटा महिला बाढ़ मे बचाव कए लकए बूढ़वा घाट क लग मे हिलकोर मारैत बागमती मे 1 जुलाई स ट्रेनिंग ल रहल छथि। हिनका बाढ़ मे डूबैत लोक कए बचेबाक संग-संग सांप काटबा आ डायरिया आदि बीमारी क प्राथमिक उपचार क ट्रेनिंग सेहो देल जा रहल अछि। द ट्रेनिंग हुनका किसान विकास ट्रस्ट क दिस स टीडीएच जर्मनी क सहयोग स देल जा रहल अछि। महिला शक्ति संगठन स जुड़ल सदस्य क रूप मे जखन लाइफजैकेट पहनिकए बागमती मे छलांग लगबैत छथि त दृश्य कोनो बालीबुड क सिनेमा स कम नहि होइत अछि। रीता वर्मा(घरारी), डोमनी देवी (अंबा रसौंक), नीलम देवी (चकला मुसहरी), हीरा देवी (तीनगछिया) कहैत छथि- जखन-जखन बाढ़ अबैत अछि, त हमरा सब कए काफी नुकसान होइत अछि। हमसब जन्मजात तैराक छी। केबीटी (किसान विकास ट्रस्ट) वाला ट्रेनिंग द रहल अछि। आब बाढ़ मे ककरो नहि डूबए देब।

टाटा पार्क स खुलत प्री-पेड आटो

पटना । प्रमंडलीय आयुक्त सुनील बर्थवाल स्टेशन क समीप स्थित टाटा पार्क कए प्री-पेड आटो स्टैंड क रूप मे विकसित करबाक निर्देश देलथि अछि। एकर अतिरिक्त बकरी बाजार मे मूलभूत सुविधा युक्त आटो स्टैंड विकसित करबाक घोषणा केलथि अछि। प्रमंडलीय आयुक्त क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार क सचिव कए निर्देश देलथि अछि जे अगर सबटा कागजात सहि हुए त आटो चालक कए एक दिन मे परमिट देल जाए। ओ अपन कार्यालय कक्ष मे आटो चालक क नेता, ट्रैफिक एसपी आ परिवहन विभाग क अधिकारीक संग बैठक करि रहल छलाह। बैठक मे भाग लेबाक बाद सीटू स सम्बद्ध आटो चालक नेता राजकुमार झा कहलथि जे प्रमंडलीय आयुक्त क आश्वासन क बाद प्रस्तावित राज्य स्तरीय हड़ताल कए एक माह लेल स्थगित करि देल गेल अछि। आयुक्त आटो चालक क प्रतिनिधि स एक सप्ताह मे आटो स्टैंड क संबंध मे प्रस्ताव मंगलथि अछि। आयुक्त भरोस देलथि अछि जे प्रस्ताव भेटलाक एक माह क भीतर बकरी बाजार मे प्रशासन क दिस स आटो स्टैंड विकसित करि उपलब्ध कराउल जाइत।

..आओर मोड़ देलथि नदी क धार

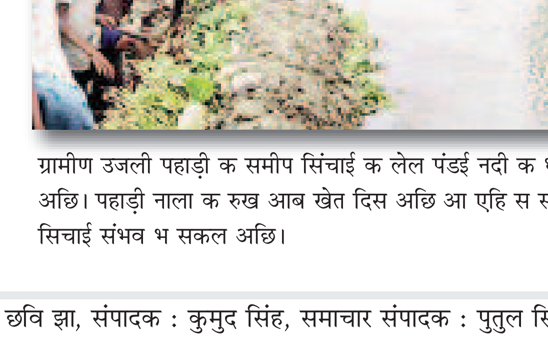

नरकटियागंज (प.च.) । अगर बिहारी ठान लिए त किछु ओकरा लेल असंभव नहि अछि। गौनाहां प्रखंड क करीब आधा दर्जन गाम क लोक इंडो-नेपाल सीमा क भिखनाठोरी बॉर्डर पर किछु एहने करि देखेलक अछि। ग्रामीण उजली पहाड़ी क समीप सिंचाई क लेल पंडई नदी क धारा कए मोड़ि देलथि अछि। पहाड़ी नाला क रुख आब खेत दिस अछि आ एहि स सात सौ एकड़ भूमि मे सिचाई संभव भ सकल अछि।

अंक- 43, साल-3, समाद प्रकाशन क लेल esamaad.com स इंटरनेट संस्करण प्रकाशित। प्रबंधक : छवि झा, संपादक : कुमुद सिंह, समाचार संपादक : पुतुल सिंह। (खबरक चयन लेल जिम्मेदार)। फोन : 011-22484593, 09250281098, ई-मेल : esamaad@gmail.com